एक नजर में

स्वतंत्रता दिवस समारोह संबंधी बैठक आज

आगर मालवा, 2 अगस्त. स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त समारोह की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर डॉ .शेर सिंह मीना की अध्यक्षता में 3 अगस्त को दोपहर 12 .30 बजे अधिकारियों की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी. अपर कलेक्टर डॉ .शालिनी श्रीवास्तव ने सभी विभाग प्रमुखों, जिलाधिकारियों को बैठक में निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं .

अवस्थी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

शुजालपुर, 2 अगस्त. विप्र सेना के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील तिवारी एवं मध्य प्रदेश प्रदेशाध्यक्ष पं . रोहित नागर की अनुशंसा पर शुजालपुर निवासी रश्मि राजेंद्र अवस्थी को संगठन के महिला मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है . संगठन ने विश्वास जताया कि सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय रश्मि अवस्थी के अनुभव और समर्पण से संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा समाजहित, सांस्कृतिक और राष्ट्रहित के कार्यों को गति मिलेगी . साथ ही संगठन की गतिविधियों और सकारात्मक संदेशों के व्यापक प्रचार-प्रसार में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी .

नि :शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

शुजालपुर, 2 अगस्त . शासकीय बालक उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शुजालपुर नगर में शनिवार को नि :शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया . कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक नायक, विवेकानंद बैंक के अध्यक्ष डॉ . विजय सिंह खींची, वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र गोरेनिया तथा विद्यार्थियों के पालक उपस्थित रहे . कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की ओर से 14 पात्र विद्यार्थियों को नि :शुल्क साइकिलें वितरित की गईं . प्राचार्य तृप्ति पाठक ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शासन की यह योजना शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों की विद्यालय तक पहुंच को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण है . अंत में उन्होंने सभी अतिथियों एवं उपस्थित पालकों का आभार व्यक्त किया .

जेएनएस कॉलेज में मनाई मुंशी प्रेमचंद जयंती

शजालपुर, 2 अगस्त . जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय शुजालपुर में हिंदी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को महान साहित्यकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई . कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के वराहमिहिर भवन स्थित वर्चुअल कक्ष में किया गया . कार्यक्रम का शुभारंभ मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया . हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ . आनंद कुमार अजनोदिया ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका साहित्य सामाजिक चेतना, यथार्थवाद, मानवीय संवेदनाओं और राष्ट्रीय भावना का सशक्त दस्तावेज है . उनकी रचनाएं आज भी समाज को सत्य, समानता, नैतिकता और मानवता का संदेश देती हैं . महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ . राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद भारतीय साहित्य के ऐसे युगदृष्टा लेखक थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की वास्तविक परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया . विद्यार्थियों को उनके साहित्य का अध्ययन कर जीवन में मानवीय मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए . कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मुंशी प्रेमचंद की प्रमुख कृतियों एवं साहित्यिक योगदान की जानकारी दी गई . अंत में उपस्थित सभी ने उनके आदर्शों एवं विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया . इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे .

मोहम्मदखेड़ा विद्यालय में मनाया विश्व स्काउट स्कार्फ डे

शुजालपुर, 2 अगस्त . शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदखेड़ा में शुक्रवार को विश्व स्काउट स्कार्फ डे उत्साहपूर्वक मनाया गया . कार्यक्रम में स्काउट आंदोलन की परंपराओं और सेवा भावना को याद करते हुए स्काउट स्कार्फ का महत्व बताया गया . इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं पदेन विकासखंड कमिश्नर स्काउट हर्षवर्धन चतुर्वेदी तथा विद्यालय के प्राचार्य हजारीलाल जाधव को स्काउट स्कार्फ पहनाकर स्काउट सलामी दी गई . विद्यालय के स्काउट मास्टर विक्रम सिंह कुशवाह ने अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया तथा कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया . कार्यक्रम में बताया गया कि विश्व स्काउट स्कार्फ डे प्रतिवर्ष 1 अगस्त को वर्ष 1907 में ब्राउनसी द्वीप पर आयोजित प्रथम स्काउट शिविर की स्मृति में मनाया जाता है, इस दिन वर्तमान एवं पूर्व स्काउट-गाइड सार्वजनिक स्थानों पर स्कार्फ धारण कर एकता, स्काउट प्रतिज्ञा और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश देते हैं . कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं स्काउट दल के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे .

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 353 .09 लाख की कॉलेज बिल्डिंग

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय की नई बिल्डिंग शुरू होने से पहले ही हुई क्षतिग्रस्त, दिखने लगीं दरारें

मनीष राठौर, सुसनेर, 2 अगस्त. एक ओर सरकार प्रदेश में उच्च शिक्षा और अधोसंरचना विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर लाखों रुपए की लागत से बनी स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय की नई बिल्डिंग महज चार वर्ष के भीतर ही क्षतिग्रस्त होने लगी है. करीब 353.09 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस भवन में जगह-जगह दरारें, प्लास्टर उखड़ने और अन्य निर्माण संबंधी खामियां सामने आने से निर्माण एजेंसी, ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं.

जानकारी के अनुसार, इस भवन का लोकार्पण उस समय किया गया था, जब प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा मंत्री के पद पर थे. करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना से वर्षों तक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपयोग की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन

लोकार्पण के कुछ ही वर्षों बाद भवन की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है. विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी बड़े सरकारी भवन का निर्माण इस प्रकार किया जाता है कि वह कई दशकों तक सुरक्षित रहे. यदि चार वर्ष के भीतर ही भवन में क्षति दिखाई देने लगे, तो यह सामान्य स्थिति नहीं मानी जा सकती. ऐसे में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों का पालन और निर्माण कार्य की निगरानी पर गंभीर प्रश्न उठना स्वाभाविक है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी निष्पक्ष तकनीकी जांच नहीं कराई गई, तो भविष्य में यह भवन और अधिक क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता है.

लाखों रुपए खर्च, फिर भी गुणवत्ता पर सवाल

इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद भवन का अल्प समय में क्षतिग्रस्त होना इस बात की ओर संकेत करता है कि कहीं न कहीं निर्माण प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही हुई है. यदि निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप हुआ होता, तो इतनी जल्दी भवन में दरारें और अन्य क्षतियां सामने नहीं आतीं. लोगों का कहना है कि यदि सरकारी भवनों का यही हाल रहेगा, तो जनता के टैक्स का पैसा आखिर कैसे सुरक्षित रहेगा. लाखों रुपए की परियोजना पर उठ रहे सवालों का जवाब संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी को देना चाहिए.

सवालों का कौन देगा जवाब...

353.09 करोड़ रुपए की परियोजना चार साल में ही क्षतिग्रस्त कैसे हो गई?
क्या निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता किया गया?
निर्माण सामग्री और तकनीकी मानकों की जांच किसने की थी?
भवन का गुणवत्ता परीक्षण कब और किस एजेंसी ने किया?
यदि लापरवाही हुई है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर क्या कार्रवाई होगी?
क्या सरकार इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराएगी?
क्षतिग्रस्त बिल्डिंग की होगी जांच या फिर अंधेर नगरी चौपट राजा वाला काम चलता रहेगा?.
यदि लापरवाही हुई है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर क्या कार्रवाई होगी?
क्या सरकार इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराएगी?
क्षतिग्रस्त बिल्डिंग की होगी जांच या फिर अंधेर नगरी चौपट राजा वाला काम चलता रहेगा?

क्या होगी जिम्मेदारों पर कार्रवाई ?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि जांच में निर्माण कार्य में अनियमितता या लापरवाही सामने आती है, तो क्या संबंधित ठेकेदार, निर्माण एजेंसी, इंजीनियर और निगरानी करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होगी या फिर मामला केवल जांच और कागजी खानापूर्ति तक सीमित रह जाएगा . पूर्व में भी कई मामलों में जांच की घोषणा तो हुई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल लीपापोती होने के आरोप लगते रहे हैं . ऐसे में इस मामले में भी लोग पारदर्शी जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं .

भाकिसं का अभ्यास वर्ग संपन्न

शाजापुर, 2 अगस्त. भारतीय किसान संघ का दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग रविवार को संपन्न हुआ. शहर के एक निजी होटल में 1 और 2 अगस्त को आयोजित इस वर्ग में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई. इस दौरान जिले के 191 कार्यकर्ताओं ने आगामी सदस्यता अभियान में 2 लाख 1 हजार किसानों को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया.

समापन अवसर पर प्रांत महामंत्री रमेश दांगी ने कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य राष्ट्र हित के साथ किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है. उन्होंने आगामी सदस्यता अभियान के लक्ष्य और जिले में प्रस्तावित मातृशक्ति सम्मेलन की तैयारियों पर भी मार्गदर्शन दिया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा और जिला अध्यक्ष सवाईसिंह सिसोदिया ने भगवान बलराम, भारत माता के चित्र और संगठन ध्वज के समक्ष माल्यार्पण एवं पूजन कर किया. उद्घाटन सत्र में दिनेश शर्मा ने बताया कि भारतीय किसान संघ देशभर में लगभग 60 लाख सदस्यों का संगठन बन चुका है और 60 हजार से अधिक गांवों में सक्रिय है. उन्होंने संगठन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संघ संगठनात्मक, रचनात्मक और आंदोलनात्मक तीन प्रमुख आयामों पर कार्य करता है. द्वितीय सत्र में संभाग सह मंत्री बहादुर सिंह राजपूत ने संगठन ध्वज की विशेषताओं, भगवा ध्वज के महत्व और भगवान बलराम को कृषि देवता मानने की परंपरा पर जानकारी दी. जिला प्रचार प्रसार प्रमुख एवं मीडिया प्रभारी भारत सिंह नाहर और युवा प्रमुख खाम सिंह परमार ने संगठन के चार प्रमुख उत्सवों की जानकारी साझा की. दूसरे दिन जिला सह मंत्री चंदर सिंह सिसोदिया ने ग्राम समिति के दायित्वों और संगठनात्मक कार्यों पर मार्गदर्शन दिया. प्रांत कार्यालय मंत्री सीताराम प्रजापति ने संगठन के विभिन्न आयामों के बारे में बताया.

कई आश्वासन, फिर भी बदहाल पिपलिया खेड़ा बालाजी धाम

अधिकारी बदल गए, लेकिन व्यवस्था नहीं, अब नए कलेक्टर से श्रद्धालुओं को न्याय की उम्मीद

सोयतकलां, 2 अगस्त. पिपलिया खेड़ा स्थित प्रसिद्ध बालाजी धाम की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर पूर्व में लगातार समाचार प्रकाशित होने और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सुधार के आश्वासन दिए जाने के बावजूद आज तक हालात नहीं बदले हैं. अब जिले में नए कलेक्टर, नए एसडीएम और नए तहसीलदार की पदस्थापना हो चुकी है. ऐसे में श्रद्धालुओं की उम्मीदें एक बार फिर जागी है कि शायद अब वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थाओं का स्थायी समाधान हो सके.

मध्यप्रदेश-राजस्थान की सीमा पर स्थित इस प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. मंदिर में लाखों रुपए का चढ़ावा आता है, लेकिन श्रद्धालुओं को स्वच्छ पेयजल, नियमित सफाई, कचरा निस्तारण और अन्य मूलभूत सुविधाएं अब भी नहीं मिल पा रही हैं. मंदिर परिसर और आसपास फैली गंदगी

श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचा रही है. अब जिले और तहसील में नए अधिकारी आ चुके हैं. ऐसे में लोगों का कहना है कि नए प्रशासन को पुराने मामलों की समीक्षा कर मौके पर निरीक्षण करना चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए.

श्रद्धालुओं की प्रमुख मांगें

मंदिर परिसर एवं आसपास नियमित साफ-सफाई हो, वर्षों से बंद पड़े वाटर कूलर को तत्काल चालू कराया जाए, श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पेयजल की स्थायी व्यवस्था की जाए, कचरा संग्रहण और निस्तारण की उचित व्यवस्था बने, मंदिर समिति और धर्मस्व विभाग की कार्यप्रणाली की जांच हो, आने वाले त्योहारों और मेलों से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं.

प्रशासन से सीधी अपील...

पिपलिया खेड़ा बालाजी धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है . ऐसे धार्मिक स्थल की बदहाल स्थिति पूरे प्रशासनिक तंत्र पर सवाल खड़े करती है . नए जिला कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार से क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं ने मांग की है कि वे स्वयं मौके का निरीक्षण कर तत्काल प्रभाव से आवश्यक निर्देश जारी करें, ताकि वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थाओं का अंत हो सके और श्रद्धालुओं को सम्मानजनक एवं स्वच्छ वातावरण मिल सके .

निर्माणाधीन सड़क पर न रोशनी, न चेतावनी बोर्ड

अंधेरे और जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण बाइक सवार गंभीर घायल

मक्सी, 2 अगस्त. मक्सी-कनासिया मार्ग पर पुराने एबी रोड स्थित सागर वेयरहाउस के पास शनिवार रात करीब 10 बजे निर्माणाधीन पुलिया हादसे का कारण बन गई. ग्राम नावदा जिला देवास निवासी बाइक सवार लोकेश पटेल पिता बाबूलाल पटेल सड़क निर्माण कार्य के दौरान बनाई जा रही पुलिया में जा गिरे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई तथा पैर भी चोटिल हो गए. हादसे के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर लोगों में भारी आक्रोश देखा गया.

जानकारी के अनुसार दुर्घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल मक्सी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल शाजापुर रैफर कर दिया गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिया निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण लोकेश पटेल अंधेरे में निर्माणाधीन हिस्से की ओर पहुंच गए और पुलिया में गिर पड़े. हादसे में उनका सिर खुले सरियों से टकरा गया, जिससे गंभीर चोट आई और काफी खून बहने लगा. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर मदद नहीं मिलती, तो दुर्घटना और भी गंभीर रूप ले सकती थी.

घायल युवक के परिचित ने लगाए गंभीर आरोप

दुर्घटना में घायल हुए लोकेश पटेल के परिचित दीपक वर्मा ने मक्सी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने आरोप लगाया कि घायल को काफी देर तक समुचित चिकित्सकीय सहायता नहीं मिल सकी. वे लगभग 20 से 30 मिनट तक अस्पताल में रहे, लेकिन उस दौरान घायल के उपचार के लिए कोई चिकित्सक उपलब्ध नहीं था. डायल-112 समय पर पहुंच गई, लेकिन अस्पताल में तत्काल चिकित्सकीय सहायता मिलने में देरी हुई. उन्होंने फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान बरती जा रही लापरवाही को भी हादसे का प्रमुख कारण बताया.

सुरक्षा इंतजामों की कमी पर उठे सवाल...

स्थानीय रहवासियों एवं राहगीरों ने आरोप लगाया कि सागर वेयरहाउस के पास फोरलेन पुलिया निर्माण का कार्य लंबे समय से चल रहा है, लेकिन ठेकेदार द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है . रात के समय निर्माण स्थल पर न तो पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है और न ही चेतावनी बोर्ड, न रेडियम संकेतक लगाए गए हैं . लोगों का कहना है कि इसी लापरवाही के चलते आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है .

कार्रवाई और सुरक्षा उपायों की मांग...

घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी तय की जाए तथा निर्माण स्थल पर तत्काल चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग, रेडियम संकेतक एवं रात्रिकालीन रोशनी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए . लोगों का कहना है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर आम नागरिकों की जान जोखिम में डाली जा रही है .

एक सप्ताह नहीं बारिश के आसार

शाजापुर, 2 अगस्त. नगर सहित जिले भर में सावन का महीना चल रहा है, लेकिन लोगों को अब भी झमाझम बारिश का इंतजार है. जुलाई माह में केवल एक दो बार ही अच्छी वर्षा दर्ज की गई, जबकि अगस्त की शुरुआत भी उमस भरे मौसम के साथ हुई है. बारिश न होने से दिनभर तेज उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है.

मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया के अनुसार, जिले में आगामी आठ दिनों तक मौसम में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है. इस अवधि में शाम के समय कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन लगातार और व्यापक वर्षा के आसार फिलहाल नहीं हैं. ऐसे में उमस भरा मौसम बना रहेगा. वर्तमान में 1 जून से 2 अगस्त तक शाजापुर जिले में औसतन 13.13 इंच वर्षा दर्ज की गई है. जिसमें शाजापुर में 13.07 इंच, मोहन बड़ोदिया में 14.72 इंच, शुजालपुर में 12.75 इंच, कालापीपल में 12.36 इंच, गुलाना में 12.67 इंच, पोलायकलां में 13.79 इंच और अवंतीपुर बड़ोदिया में 12.59 इंच वर्षा दर्ज की गई है. हालांकि जिले में औसत वर्षा का आंकड़ा संतोषजनक दिख रहा है, लेकिन पिछले कई दिनों से अच्छी बारिश न होने के कारण खेतों की नमी कम होने लगी है. किसान और स्थानीय रहवासी अब सावन की झमाझम बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

31 के पार पहुंचा तापमान

मौसम के इन दिनों हाल ये हैं कि आसमान पर बादल तो छा रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे हैं. रविवार को भी दोपहर में आसमान पर काले बादल छाए हुए थे ओर दिन में ही अंधेरा छा गया था. लगा था कि तेज बारिश होगी, लेकिन रिमझिम बारिश के बाद मौसम फिर साफ हो गया और लोगों का उमस से बुरा हाल होने लगा. अधिकतम तापमान भी 31.6 व न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री तक पहुंच गया.

निर्माण स्थल पर नहीं लगे संकेतक

शाजापुर, 2 अगस्त. जिले के मक्सी में फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया है. कानासिया नाले के पास निर्माणाधीन पुलिया पर चेतावनी संकेतक और सुरक्षा लाइटें नहीं होने के कारण शनिवार रात एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी की लापरवाही को हादसे की वजह बताते हुए कार्रवाई की मांग की है.

दरअसल, देवास जिले के ग्राम नावदा निवासी अभिषेक शनिवार रात करीब 11 बजे पुलिया के पास से गुजर रहे थे. अंधेरा होने और निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण वह बाइक सहित गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने घायल की तत्काल मदद कर डायल 112 की सहायता से अस्पताल पहुंचाया. रहवासियों का कहना है कि रात के समय निर्माण स्थल का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है. अचानक निर्माण क्षेत्र सामने आने से कई बाइक सवार संतुलन खो बैठते हैं और हादसे का शिकार हो रहे हैं. उनका कहना है कि यदि निर्माण एजेंसी ने सुरक्षा मानकों का पालन किया होता, तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता था. लोगों ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की परियोजना के बावजूद कई स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, फ्लैशिंग लाइट और मजबूत बैरिकेडिंग जैसी बुनियादी सुरक्षा व्यवस्थाएं नहीं हैं.

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

जिले की मोहन बड़ोदिया तहसील में भी रविवार को कड़ूला जोड़ के पास एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक कृष्णा 25 गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे प्राथमिक उपचार के बाद शाजापुर जिला अस्पताल रैफर किया गया है. ग्राम कड़ूला निवासी कृष्णा पिता बंशीलाल बाइक से गांव से नलखेड़ा की ओर जा रहा था. उ बदी. टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्णा सड़क पर गिर पड़ा. उसके पैर में गंभीर चोटें आईं. सूचना मिलते ही मोहन बड़ोदिया थाना पुलिस सक्रिय हुई. डायल 112 वाहन मौके पर पहुंची. पायलट मनोहर सिंह और आरक्षक विजय गवली ने घायल युवक को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी मोहन बड़ोदिया पहुंचाया. हादसे के बाद चालक मौके से फरार है.

स्पेशल स्टोरी | मानसिक विक्षिप्त महिला के होनहार पुत्र को शिक्षा दे रहे शिक्षक, आशियाने के लिए शासन से आस

मासूम का बचपन संवारने निकले बड़ोदियावासी, अब सरकार की बारी

संजय राठौर, मोहन बड़ोदिया, 2 अगस्त. न खाने को खाना है, न रहने के लिए छत है, जिसने जहां जो दे दिया, वह ले लिया, लेकिन पढ़ने की ऐसी लालसा कि उसका हर दुख किताबों के आगे फीका है, जिसकी लगन को देखते हुए शासकीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने उसे अपने विद्यालय में प्रवेश दे दिया. उसका जन्म प्रमाण-पत्र, समग्र आईडी है, लेकिन आधार कार्ड नहीं बन पा रहा है. आधार कार्ड नहीं बन पाने के पीछे उसका डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र नहीं होना बताया जा रहा है. पिता नहीं हैं, माता अर्धविक्षिप्त है. अब इसका आधार कार्ड कैसे बने, इसके पीछे शासन के नियम आड़े आ रहे हैं.

यह कहानी है ग्राम फरतखेड़ी

के रहने वाले गोलू की, जिसकी मां मानसिक विक्षिप्त है और वह अनाथ की तरह जीवन यापन कर रहा है. जिसके पास न खाने को खाना है और न रहने को कोई घर. जहां जगह मिली, वहां समय बिता लिया. लोगों ने उसका नाम प्यार से गोलू रखा है. गांव के कुछ लोगों ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रदीप गामी से मिलकर उसको पिछले साल से ही स्कूल जाने की आदत डाली, जो अब हर रोज समय पर स्कूल जाता है. शिक्षक द्वारा दिया गया होमवर्क भी गांव की गलियों, सड़कों या किसी घर के बाहर बैठकर पूरा करने लगा है. शिक्षक गामी के अनुसार गोलू अब पढ़ना-लिखना सीख गया है, लेकिन गोलू के पास न रहने को छत है, न पहनने को कपड़े. जहां से जो मिल जाता है, उसी से अपना गुजारा कर लेता है. गोलू की पढ़ने की लालसा और उसके शांत स्वभाव ने लोगों का मन जीत लिया है. जिसकी मदद को तैयार रहते हैं.

शासन का सहारा मिले, तो संवरे अनाथ का जीवन

ग्रामीणों और शासकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक गामी की मानें, तो इस बच्चे का दिमाग बहुत अच्छा है. उनका कहना है कि यदि शासन स्तर से इसके दस्तावेज बन जाते हैं, तो शासन की योजनाओं का लाभ मिल जाएगा. साथ ही यदि राजस्व विभाग के अधिकारी इसके नाम से गांव में कहीं भूखंड देते हैं, तो हम जन सहयोग से इसके रहने के लिए आशियाना बना देंगे.

दस्तावेजों का अभाव बन रहा बाधा...

गोलू का जीवन संवारने के लिए ग्रामीण तो राजी हैं और आगे भी आ रहे हैं, लेकिन दस्तावेजों का अभाव उसके लिए सबसे बड़ी बाधा है . क्योंकि सरकार की योजनाएं तो बहुत हैं, पर किसी भी योजना का लाभ गोलू को नहीं मिल पा रहा है . क्योंकि उसकी माताजी तो अर्ध विक्षिप्त हैं और गोलू के पास आधार कार्ड नहीं है . जिसके बिना गोलू को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है और न ही भविष्य में मिलने की उम्मीद है . ऐसे में क्या गोलू बिना आधार कार्ड के भारत का नागरिक कहला पाएगा या नहीं, ये सोचनीय प्रश्न है .

रोशनी दुर्गा वाहिनी की जिला सह संयोजिका मनोनीत

सुसनेर, 2 अगस्त. विश्व हिन्दू परिषद की मालवा प्रांत की तीन दिवसीय प्रांतीय बैठक उज्जैन में संपन्न हुई. बैठक के दौरान संगठन विस्तार एवं आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए विभिन्न दायित्वों की घोषणा की गई. इसी क्रम में सुसनेर की रोशनी माली को विश्व हिन्दू परिषद दुर्गा वाहिनी की आगर जिला सह संयोजिका नियुक्त किया गया. उनकी नियुक्ति पर विश्व हिन्दू परिषद एवं दुर्गा वाहिनी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं. संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि रोशनी माली अपने नए दायित्व का निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा मातृशक्ति को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी. इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद एवं दुर्गा वाहिनी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे. सभी ने रोशनी को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की.